एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 05, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2025)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

मूँगफली में सफेद लट का एकीकृत कीट प्रबंधन

*दिनेश डांगी एवं डॉ. मनोज कुमार महला
राजस्थान कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: dineshpatel700145@gmail.com

मूँगफली भारत में खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है, लेकिन इसे पूरे साल किसी भी मौसम में उगाया जा सकता है। देश में मूँगफली सबसे ज़्यादा गुजरात में पैदा होती है। इस फसल को सफेद लट या गिड़ार नाम के कीट से भारी नुकसान होता है, जिससे उपज में 20 से 80% तक की कमी आ सकती है। इस कीट से बचने के लिए 'एकीकृत कीट प्रबंधन' नाम की विधि एक आसान और सस्ता तरीका है, जिसे अपनाकर फसल को बचाया जा सकता है जो निम्न प्रकार है–

कीट की पहचान

यह कीट कोलिओप्टेरा गण के मेलोलोन्थिडी नामक परिवार से संबंधित है। इसका जीवन चक्र चार चरणों में पूरा होता है- अंडा, ग्रब (सूंडी), प्यूपा (कृमिकोष) और प्रौढ़ (वयस्क कीट)। इसमें ग्रब और प्रौढ़ दोनों ही मूँगफली की फसल को नुकसान पहुँचाते हैं। वयस्क कीट शुरुआत में हल्के क्रीम रंग के होते हैं और बाद में भूरे रंग के हो जाते हैं। ये कीट शाम 7:30 से 8:30 बजे के बीच मिट्टी से बाहर निकलते हैं और पौधों की पत्तियाँ खाना शुरू कर देते हैं। ये पूरे पौधे को पत्तियों से खाली कर देते हैं। रात भर सक्रिय रहते हैं और सुबह 5:00 से 5:30 बजे के बीच फिर से मिट्टी में चले जाते हैं। इस कीट का ग्रब सफेद रंग का और 'C' आकार का होता है। ये ज़्यादातर बलुई दोमट मिट्टी में 10 से 25 सेंटीमीटर की गहराई में पाए जाते हैं। पहले ये मूँगफली की जड़ों को खाते हैं और बाद में फलियों और पत्तियों को भी नुकसान पहुँचाते हैं। जब इनका प्रकोप ज़्यादा हो जाता है तो मूँगफली की पूरी फसल तक नष्ट हो सकती है।

जीवन चक्र

अंडा (Egg stage)

•मादा कीट मई–जून में (वर्षा ऋतु) मिट्टी में 10–15 सेमी नीचे अंडे देती है। जो 7-10 दिनों में फूटते हैं।

लट (Grub / Larva Stage)

•अंडों से निकली लट पौधों की जड़ों को खाना शुरू करती है तथा 2–3 दिन बाद फलियों को भी नुकसान पहुंचाना शुरू कर देती है।

•लगभग 100–110 दिनों में यह लट पूर्ण रूप से विकसित हो जाती है।

प्यूपा (Pupa)

•पूर्ण विकसित लट मिट्टी में 20–40 सेमी गहराई तक जाकर प्यूपा अवस्था में प्रवेश करती है। एवं यह अवस्था 10–27 दिनों तक रहती है।

प्रौढ़ कीट (Adult Beetle Stage)

•प्यूपा से वयस्क भृंग (कीट) बाहर आता है। ये प्रौढ़ कीट वर्षा ऋतु में पौधों की पत्तियाँ खाते हैं।

•वर्ष में केवल एक बार यह पूरा चक्र दोहराया जाता है (एक पीढ़ी प्रति वर्ष)।

सफेद लट का एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM)

1. प्रौढ़ कीटों का नियंत्रण – प्रकाश प्रपंच द्वारा

जून–जुलाई में प्रौढ़ भृंग (वयस्क कीट) को प्रकाश प्रपंच (Light Trap) की मदद से आकर्षित करें और नष्ट करें। इससे प्रजनन चक्र को रोकने में मदद मिलती है, जिससे अंडों की संख्या कम हो जाती है।

2. गहरी जुताई द्वारा अंडों और लटों का विनाश

मई में पहली वर्षा के बाद खेत की गहरी जुताई कई बार करें। जिससे मिट्टी में छिपे अंडे और छोटे लट (ग्रब) सतह पर आकर नष्ट हो जाते हैं या पक्षियों द्वारा खा लिए जाते हैं।

3. उचित समय पर बुवाई

10-20 जून के बीच बुवाई करने से पौधे तेजी से विकसित होते हैं और सफेद लट के प्रकोप से कम प्रभावित होते हैं।

4. बीज उपचार – कीटनाशी का प्रयोग

इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 2.5-12.5 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम मूँगफली के बीजों का उपचार करें ताकि लटें जड़ों पर हमला न कर सकें।

प्रौढ़ भृंग का नियंत्रण (Adult Beetle Control)

1. प्रकाश प्रपंच (Light Trap) का उपयोग

मई में पहली बारिश के बाद 1 प्रकाश प्रपंच प्रति हेक्टेयर खेत में लगाएँ। ताकी प्रौढ़ भृंगों को प्रकाश की ओर आकर्षित व नष्ट किया जा सके।

2. गंधपाश प्रपंच (Pheromone Trap)

पहले मानसून के बाद पेड़ों पर 15 मीटर दूरी पर एनिसोल आधारित फेरोमोन ट्रैप 3 रातों तक लगाएँ। जिससे नर भृंगों को आकर्षित कर प्रजनन को बाध्य किया जा सके।

3. कीटनाशी का छिड़काव – इमिडाक्लोप्रिड

शाम के समय पेड़ों व झाड़ियों पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1.5 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें, जो पत्तियों पर बैठे भृंगों को मारने में सहायक होता है।

4. भौतिक नियंत्रण –

पेड़ों के नीचे गिरे हुए या कमजोर भृंगों को इकट्ठा करके नष्ट करें, जिससे कीटों की संख्या में त्वरित कमी लाई जा सकती है।

5. कीटनाशी –

सक्रिय भृंगों को नियंत्रित करने के लिए साइपरमेथ्रिन की 2 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर 8 से 10 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।

लट (ग्रब) का प्रभावी नियंत्रण

1. गहरी जुताई द्वारा नियंत्रण

गर्मियों में खेत की कई बार गहरी जुताई करें, जिससे मिट्टी में छिपे हुए अंडे, प्यूपा और लट नष्ट हो जाते हैं।

2. सड़ी हुई गोबर की खाद का उपयोग

केवल पूर्ण रूप से सड़ी हुई गोबर की खाद का ही प्रयोग करें, क्योंकि अधपकी खाद में लट तेजी से पनपते हैं और उनकी संख्या में वृद्धि हो जाती है।

3. बीज उपचार –

बुवाई से पहले बीजों का इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 2.5 से 12.5 मिली मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करना अनिवार्य है।

4. जल उपलब्धता होने पर समय से बुवाई

यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो, तो बीज की बुवाई जल्दी करें, जिससे प्रारंभिक पौधे लट के हमलों से बेहतर तरीके से सुरक्षित रह सकें।

6. अधिक प्रकोप पर मिट्टी में दवा का छिड़काव

फिप्रोनिल 0.3GR की 20–25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मात्रा को खेत की मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें।